UNIVERSITY OF KOTA

KOTA

SCHEME OF EXAMINATION

AND

COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

पाठ्यक्रम

M.A.

स्नातकोत्तर

राजस्थानी

एम.ए. सैमेस्टर प्रथम

M.A. SEMESTER I

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

M.A. Rajasthani 2023-24

एम.ए. राजस्थानी

Semester I & II

SEM	Paper	Course Code	Nomenclature of Papers	Lecture	Lecture Per week	Total Lecture	M.M.
I	I	RAJ-08-01	राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास	10	9	90	100
	II	RAJ-08-02	प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य	20			100
	III	RAJ-08-03	प्राचीन एवं मध्यकालीन वीर एवं रासो काव्य	30			100
	IV	RAJ-08-04	मध्यकालीन भक्ति एवं विविध विषयक काव्य	30			100
II	I	RAJ-09-05	आधुनिक राजस्थानी कथा साहित्य	20	9	90	100
	II	RAJ-09-06	आधुनिक राजस्थानी कथेत्तर साहित्य	20			100
	III	RAJ-09-07	आधुनिक राजस्थानी वीर एवं प्रकृति काव्य	20			100
	IV	RAJ-09-08	आधुनिक राजस्थानी नवीन भाव बोध परक काव्य	20			100
	V	RAJ-09-09	राजस्थानी लोक साहित्य	10			100

Examination Scheme:

Each paper contains 150 marks. For regular and non collegiates theory paper will be of 100 marks. For regular students internal evaluation of marks 50 are divided into 20 marks for assignment, 20 marks for written test and 10 marks for viva/presentation.

For non collegiate students internal evaluation marks 50 are divided into 40 marks for assignment and 10 marks for viva/presentation.

Duration : 3 hours Question Paper Max. Marks – 100

Note : The question paper will contain two sections as under –

The question paper consists of section A and section B. Section A for 20 marks and section B for 80 Marks.

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 30 words for each part. Total marks : 10x2=20

Section-B : Contents 10 questions, 2 questions from each unit, attempted 5 questions, by taking one from each unit, answer approximately in 500 words. 16x5=80

DCC - COURSE CODE RAJ- 8-01

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – प्रथम (Semester - I Rajasthani)

Paper - I

प्रथम प्रश्न पत्र

राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास

पाठ्यपुस्तकें एवं विशिष्ट अध्ययन

1. राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति और विकास
2. राजस्थानी बोलियां और क्षेत्र
3. प्राचीन राजस्थानी साहित्य
4. पूर्व मध्यकाल एवं उत्तर मध्यकाल
5. आधुनिक राजस्थानी साहित्य का विस्तृत परिचय

प्रथम इकाई : राजस्थानी भाषा की विकास परंपरा

द्वितीय इकाई : राजस्थानी बोलियाँ, क्षेत्र एवं भाषायी तत्त्वों के आधार पर राजस्थानी भाषा का विवेचन

तृतीय इकाई : प्राचीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

चतुर्थ इकाई : पूर्व एवं उत्तर मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

पंचम इकाई : आधुनिक राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 एवं 3 राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास परंपरा

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 एवं 5 राजस्थानी बोलियाँ, क्षेत्र एवं भाषायी तत्त्वों के आधार पर राजस्थानी भाषा का विवेचन

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 एवं 7 प्राचीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 'पूर्व मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

प्रश्न सं.–9 उत्तर मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 आधुनिक गद्य राजस्थानी साहित्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

प्रश्न सं.–11 आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : परिचयात्मक अध्ययन

<u>**अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–**</u>

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. राजस्थानी भाषा, साहित्य और व्याकरण : सीताराम लालस
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
3. राजस्थानी भाषा : एक परिचय, डॉ. नरोत्तमदास स्वामी
4. राजस्थानी भाषा : डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या, साहित्य संस्थान, उदयपुर
5. डिंगल साहित्य : डॉ. गोर्वद्धन शर्मा
6. History of Rajasthani Literature : Dr. Hira Lal Maheshwari, Sahitya Akedmi, New Delhi

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 8-02

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – प्रथम (Semester - I Rajasthani)

Paper - II

द्वितीय प्रश्न पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

पाठ्यपुस्तकें एवं विशिष्ट अध्ययन

1. राजस्थानी गद्य परंपरा का विकास
2. राजस्थानी वात साहित्य परंपरा
3. राजस्थानी गद्य साहित्य में ऐतिहासिक ग्रंथों का परिचय
4. मध्यकालीन गद्य विधाओं का विस्तृत रूप से अध्ययन
5. प्रमुख गद्य–पद्य मिश्रित राजस्थानी ग्रंथ एवं प्रमुख चरित्र प्रधान ग्रंथों का अध्ययन
6. पाठ्य पुस्तकें 1. अचलदास खींची री वचनिका : (सं.) भूपतिराम साकरिया
   2. कुंवरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे — पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 'अचलदास खींची री वचनिका' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–3 'अचलदास खींची री वचनिका' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 'कुंवरसी सांखलो' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–5 'कुंवरसी सांखलो' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 'अचलदास खींची री वचनिका' से संबंधित अलोचनात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–7 'अचलदास खींची री वचनिका' से संबंधित अलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 'कुंवरसी सांखलो' से संबंधित अलोचनात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–9 'कुंवरसी सांखलो' से संबंधित अलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य परंपरा का विकास का परिचय

प्रश्न सं.–11 प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य परंपरा : प्रमुख गद्य विधाओं का परिचय

<u>पुस्तकें एवं अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–</u>

1. अचलदास खींची री वचनिका : भूपतिराम साकरिया : पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. कुंवरसी सांखलो : डॉ. मनोहर शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
3. प्राचीन काव्यों की रूप परंपरा : अगर चंद नाहटा, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
4. राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति : डॉ. कल्याणसिंह शेखावत : राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 8-03

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – प्रथम (Semester - I Rajasthani)

Paper - III

तृतीय प्रश्न पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी वीर एवं रासो काव्य परंपरा

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन
2. राजस्थानी वीर काव्य परंपरा : परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, प्रमुख रनाएं और रचनाकार
3. राजस्थानी रासो काव्य परंपरा : परिचय, प्रमुख रचनाएं और रचनाकार
4. पाठ्य पुस्तकें 1. रणमल्ल छंद सं. मूलचंद प्राणेश

   2. वीसलदेव रासो ' प्रबंध परिजात : (सं.) रावत सारस्वत

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 एवं 3 'रणमल्ल छंद' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 एवं 5 'वीसलदेव रासो' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 एवं 7 'रणमल्ल छंद' में से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 एवं 9 'वीसलदेव रासो' में से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी वीर काव्य परंपरा : परिचय, परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं और रचनाकारों से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.– 11 प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी रासो काव्य परंपरा : परिचय, परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं और रचनाकारों से संबंधित प्रश्न

<u>पुस्तकें एवं अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–</u>

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
2. रणमल्ल छंद : (सं) मूलचंद प्राणेश : भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
3. प्रबंध परिजात (सं) रावत सारस्वत : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 8-04

एम.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – प्रथम (Semester - I Rajasthani)

Paper - IV

चतुर्थ प्रश्न पत्र

मध्यकालीन भक्ति एवं विविध विषयक काव्य

विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र

1. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का विस्तृत अध्ययन
2. मध्यकालीन राजस्थानी भक्ति काव्य परंपरा सगुण, निर्गुण एवं संत परंपरा, रचनाएं और रचनाकार
3. मध्यकालीन राजस्थानी रीति एवं श्रृंगार काव्य परंपरा : रचनाएं और रचनाकार
4. मध्यकालीन राजस्थानी नीति काव्य परंपरा : रचनाएं और रचनाकार
5. पाठ्य पुस्तकें 1. मीरा पदावली (भाग–प्रथम) : (स.) हरिनारायण पुरोहित व्याख्या हेतु : प्रथम 50 पद)
   2. वेलि किसण रूकमणी री (सं.) नरोत्तम स्वामी (व्याख्या हेतु प्रथम 116 छंद)

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे — पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न – सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 500 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न)

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 एवं 3 'मीरां पदावली में से सप्रसंग व्याख्या (कोई एक व्याख्या : निर्धारित पद संख्या में से)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 एंव 5 'वेलि किसन रूकमणी री' में से सप्रसंग व्याख्या (कोई एक व्याख्या : निर्धारित छंद संख्या में से)

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 एवं 7 'मीरां पदावली' में से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 एवं 9 'वेलि किसन रूकमणी री' में से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 मध्यकालीन राजस्थानी भक्ति एवं नीति काव्य परंपरा, प्रमुख रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित प्रश्न

प्रश्न सं.– 11 मध्यकालीन राजस्थानी रीति, श्रृंगार काव्य परंपरा, प्रमुख रचनाओं और रचनाकारों से संबंधित प्रश्न

<u>पाठ्यपुस्तकें एवं अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–</u>

1. मीरा पदावली (भाग प्रथम) : सं. पुरोहित हरिनारायण, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
2. वेलिकिसन रूकमणी री : सं. नरोत्तम स्वामी, प्रकाशन : राजस्थानी ग्रंथागार
3. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
4. राजस्थानी भाषा, साहित्य और व्याकरण : सीताराम लालस
5. राजस्थानी नीति परक संबोधन काव्य परंपरा : डॉ. भगवती लाल शर्मा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
6. उत्तरी भारत की संत परंपरा : डॉ. पेमाराम, अर्चना प्रकाशन, अजमेर

F F F F F